ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekad ,Q@,xk@,xkeV-@25 fnukad **21.11.2025**
ftyk& chdkusj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह
अवधि 21 नवंबर 2025 से 25 नवंबर 2025 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 28.4 से 37.3 °C एवं न्यूनतम तापमान 14.8 से 23.0 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 60 से 95% रही।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5दिनों के दौरान (21.11.2025 से 25.11.2025) को 21.11.2025 व 23.11.2025 को आंशिक बादल छाए रहने, 22.11.2025 व 24.1.2025 से 25.11.2025 तक स्वच्छ आकाश छाए रहने, न्यूनतम तापमान 12.0-14.0°C और अधिकतम तापमान 29.0-31.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान दक्षिणी पूर्वी, दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी और दक्षिणी पश्चिमी दिशा से तेज गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	21.11.2025	22.11.2025	23.11.2025	24.11.2025	25.11.2025
वर्षा) एम.एम. (	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आसमान में बादलो की स्थिति	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश
अधिकतम तापमान ° C)	**31**	**30**	**30**	**30**	**29**
न्यूनतम तापमान (° C)	**14**	**14**	**13**	**12**	**12**
वायु दिशा	दक्षिणी पूर्वी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**48**	**50**	**45**	**45**	**48**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**75**	**83**	**86**	**84**	**80**
औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**6**	**7**	**5**	**7**	**7**
वर्षा) एम.एम. (	**00.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

विशेष सलाह	बादलों के मौसम व तेज हवा गति के दौरान पत्तियों पर रसायनों का छिड़काव न करें। पानी की एक-एक बूँद बचाएँ। फसलों और बागों में कीटों और बीमारियों के संक्रमण का पता लगाने के लिए नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें।

फसल	**अवस्था**	**विवरण**	**कृषि सलाह**
मेथी	बुआई की तैयारी	किस्में, बीज दर एवं बीजोपचार	मेथी की आर एम टी 1 व आर एम टी 305 आदि उन्नत किस्में कृषि जलवायु खंड 1 सी के लिए उपयुक्त है । एक हेक्टयर क्षेत्र के लिए देसी मैथी के लिए 24 किग्रा बीज एवं कसूरी मैथी की लिए 10 किग्रा बीज काम मे लेवें।
गेहूँ एवं जौ	बुआई की तैयारी	किस्में, बीज दर एवं बीजोपचार	गेहूँ की राज - 1482, राज - 3077, राज - 3765, एच. डी. - 2329, एच. डी. - 2687, राज - 3777, पी. बी. डब्ल्यू. - 373, डब्ल्यू. एच. - 147, राज - 4083, राज - 4120, जौ की बुवाई के लिए उन्नत किस्में आर.डी. - 2052, आर.डी. - 2035, आर.डी. - 2508 व आर.डी. - 2715, आदि उन्नत किस्में कृषि जलवायु खंड 1 सी के लिए उपयुक्त है । एक हेक्टयर क्षेत्र के लिए गेहूँ के लिए 100 किग्रा बीज, जौ के लिए 80-100 किग्रा बीज काम मे लेवें।
जीरा एवं ईसबगोल	बुआई की तैयारी	किस्में एवं बीज दर	जीरा की जी सी 4, आरऐस 1, आरजैड 19, आरजैड 223, ईसबगोल की आर आई 89 व जीआई 2 आदि उन्नत किस्में कृषि जलवायु खंड 1 सी के लिए उपयुक्त है । एक हेक्टयर क्षेत्र के लिए जीरा के लिए 12-20 किग्रा बीज, ईसबगोल के लिए 5 किग्रा बीज काम मे लेवें।
चारा प्रबंधन	बुआई की तैयारी	बुआई	बरसीम से अधिक चारा उत्पादन प्राप्त करने के लिए बुआई के समय चाइनीज कैबेज का बीज मिला दें। अधिक हरा चारा उत्पादन प्राप्त करने के लिए र बरसीम की बुवाई के लिए BL 10, BL 22 किस्मों का बीज काम में लेवें।
उद्यानिकी		सिंचाई एवं छिड़काव	खजूर, किन्नू, संतरे और नींबू के बगीचों में नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। बेर में फल मक्खी के हमले को नियंत्रित करने के लिए बेर के फलों की मटर अवस्था में फेनवेलरेट/डाइमेथोएट @ 1 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें।
		नर्सरी तैयार	टमाटर एवं बैंगन की नर्सरी तैयार करें। फूलगोभी की अगेती किस्मों तथा पत्तागोभी की पछेती किस्मों की रोपाई करें।
		बुआई	मूली, गाजर, धनिया, पालक आदि की बुवाई के लिए समय उपयुक्त है।
पशुधन		खाद्य प्रबंधन	पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ ।
		स्वास्थ्य प्रबंधन	पशुओं (बछड़े और गैर गर्भवती स्तनपान कराने वाली गायों) को एंडो परजीवियों के खिलाफ कृमिनाशक दवा दें। स्वास्थ्य बनाए रखने और दूध बुखार और प्रोलैप्स जैसी समस्याओं से बचने के लिए प्रत्येक दुधारू पशु को उसके शरीर के वजन के अनुसार 20 से 50 ग्राम खनिज मिश्रण खिलाएं। **गलघोंटू बिमारी के व्यापक प्रकोप को देखते हुए, घरेलू/ दुधारू पशुओं को गलघोंटू से गृषित आवारा पशुओं से दुर रखे। अलगाव के साथ स्वच्छता** व **बेहतर पोषण गलघोंटू प्रबंधन के लिए अच्छी नीति है।**

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा